Political Science

Programme Outcome

1. राज्य नागरिकता , स्वतंत्रता, समानता, राजनीतिक विकास, परिवर्तन, संप्रभुता, न्याय, सरकार आदि का उद्भव, विश्लेषण एवं विवेचनात्मक क्षमता उत्पन्न होती है।
2. भारतीय संविधान के साथ–साथ विश्व के अन्य संविधानों का तुलनात्मक अध्ययन एवं समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तकों के विचारों से अवगत होकर आदर्शवादी एवं यथार्थवादी चिंतन तथा स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा किये गये कार्यो का विश्लेषण करते हैं।
4. मतदान व्यवहार, दबाव समूह, राजनीतिक दलों के द्वारा अपनाये गये दृष्टिकोणों की विश्लेषित करने की क्षमता उत्पन्न होती है।
5. भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था, नौकरशाही, वित्तीय प्रशासन, लोक सेवा आयोगों के द्वारा चयन किये जाने की पद्धति, प्रमोशन एवं सेवा निवृत्त के तरीकों का ज्ञान एवं दृष्टिकोण की व्यापकता, विकास, प्रशासन, ई–गवर्नमेंट आदि की जानकारी प्राप्त होती है।
6. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे घटना चक्र, विभिन्न देशों की विदेश नीतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण, विवके क्षमता का विकास होता है।

Course Outcome

B.A. I

Political Theory- Nk़त्राएं पूरा कोर्स पढकर जानती है कि राज्य अपने पूर्व समय में क्या था, उत्पत्ति कैसे हुयी,राज्य का विकास, राज्य की प्रकृति, विभिन्न विद्वानो का दृष्टिकोण क्या था यह जानकारी होती है।

शासन व्यवस्था के विभिन्न स्वरुपो की जानकारी अन्य व्यवस्थाओं से लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था की गुणवत्ता की जानकारी न्याय स्वतंत्रता, समानता, अधिकारों का महत्व ये कैसे अस्तित्व में आये आदि की जानकारी होती है।

Indian Government and Politics –

1. भारतीय राश्ट्रीय आन्दोलन की जानकारी इतिहास का ज्ञान संविधान के संबंध में देष का संविधानिक ढ़ांचा,अधिकार, राज्य के नीति निर्देषक तत्व
2. भारतीय राजनीति का प्रभावित करने वाले तत्व।
3. मानव अधिकारों के संबंध में।
4. नेतृत्व समता का विकास
5. राजनीतिक दलों, प्रेसर गुप्स के कार्य, नीतियॉ, आदि की जानकारी

B.A.II

Western Political Thouyne –

6. पाष्चात्य देषो के विद्वानो के विचारो से अवगत होना
7. वर्तमान सरकार के अंगो का उल्लेख पूर्व के विद्वानों ने किस प्रकार किया। राज्य की उत्पति, प्रकृति, स्वतंत्रता, आर्थिक सामाजिक वातावरण आदि के संबंध में जानकारी।

Comparative Government –

8. विश्व की सरकारों के स्वरुप व प्रकार के संबंध में जानकारी।
9. विभिन्न देशों की राजनीति व्यवस्था, ढ़ॉचा आदि की तुलना कर सकते है विश्लेषण कर सकते है।
10. अच्छी शासन व्यवस्था हेतु निष्कर्श प्राप्त कर सकते है।

B.A.III

International Politics –

11. विश्व में हो रही राजनीति घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है।
12. अतंर्राष्ट्रीय जगत में भारत की भूमिका कैसी है अंतर्राष्ट्रीय संगठन कौन–कौन से है। किस देश का रवैया सहयोग पूर्व है और किस देष का टकराव पूर्व छात्रा विश्लेषण कर सकती है निःशस्त्रीकरण एवं शांति के लिये क्या प्रयास किया जाये।

1. **Public Administration –**

13. छात्राएं जानती है कि प्रशासन क्या है ? तत्व क्या है कार्य क्या है
14. लोक प्रशासन पहले रानीतिशास्त्र का अंग था अब अलग विषय कैसे बना
15. सरकार लोक कल्याण हेतु क्या एवं कैसे कार्य करती है।
16. प्रशासन में नेतृत्व संचार Accountability की भूमिका क्या है।
17. नौकरशाही, बजट कैसे बनता है।
18. सरकार पर व्यवस्था कार्यपालिका कैसे नियंत्रण रखती है।

M.A.
Political Scince

Programme Outcome

1. वर्तमान राजनीतिक विचार धारा का पाश्चात्य एवं प्राचीन विचारधारा के साथ समन्वस कर तात्कालीन परीस्थितियों से तुलनात्मक अध्ययन कर व्यवहारवादी ट्टष्टिकोण को अपनाने की समझ उत्पन्न होती है।
2. भारतीय राजनीति को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक पहलुओं का ज्ञान विभिन्न सरकारों के द्वारा किये गये कार्यो का मूल्यांकन एवं विश्लेषण का अध्ययन करने की क्षमता का विकास एवं श्रेष्ठ प्रजातंत्र की ओर अग्रसर होना।
3. वर्तमान घटना चक्रों से प्रभावित होकर संचार साधनों के माध्यम से अपना अभिमत एवं वाद–विवाद करने की क्षमता का विकास एवं स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास होता है।
4. सामाजिकरण, राजनीतिक, संस्कृति, अभिजनतंत्र आदि के संबंध में ज्ञान एवं विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण जागृत होना।
5. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न आयामों राष्ट्रीय शक्ति के विभिन्न तत्वों की समझ पैदा होती है।
6. छात्र–छात्राओं में भारतीय एवं विश्व के विभिन्न देशों की प्रशासनिक व्यवस्था की निपुणता एवं उत्तम प्रशासक के गुण जागृत होते हैं। जटिल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता,

त्वरित निर्णय की क्षमता का प्रशिक्षण एवं योग्यता का विकास होता है।

7. विभिन्न देशों के राज्याध्यक्षों के द्वारा अपनायी गयी नीतियों की समीक्षा एवं उन्हे समझकर अपना स्वतंत्र मत व्यक्त करने की योग्यता का विकास।
8. अंतर्राष्ट्रीय कानून एवं मानव के विविध अधिकारों के संबंध में जानकारी, अधिकार एवं कर्त्तव्यों को समझने की क्षमता।
9. अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे–राष्ट्रसंघ एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के कार्यों का राजनीतिक कर्ताओं पर प्रभाव एवं समस्याओं के निराकरण हेतु सुझाव देने की क्षमता जागृत होती है।
10. महाशक्तियों के महान भारत की वास्तविक पहचान को समझने, विश्लेषण करने की क्षमता का विकास।

Course Outcome

MA I Semester

Paper I पाश्चात्य राजनीति चिन्तन – इस प्रष्न पत्र को पढकर छात्राऍ पाश्चात्य विद्वानो जैसे, प्लेटो, अरस्तू मेकियाये कह रूसो बेन्थन, हीग का ग्रीन कार्का माफर्स एवं लास्की के राज्य संबंधी राज्य की उत्पति ,विकास ,राज्य का स्वरूप शासन व्यवस्था के प्रकार राजा के कर्तव्य कार्य कुटनीति विविध विचारको के अनुसार राज्य की प्रकृति क्या है आदि बातों से अवगत होती है।

Paper II भारतीय शासन एवं राजनीति – छात्राऍ इस प्रश्न पत्र के माध्यम से जानती है कि संविधान का निर्माण कैसे किन परिथितियो मे हुआ । अधिकार कर्तब्य ,राज्य नीति के निदेषन तत्व ,भारतीय संविधान के माध्यम से षासन का ढांचा , भारतीय संघ मे केन्द राज्य के मध्य संबंध ,राजनीति ,दल , दबाव समूह, भारतीय राजनीति को प्रभावित करने वाले तत्व प्र.मं. राष्ट्रपति संसद ,न्यायपालिका का संगठन ,नियुक्ति कार्य आदि का जानकारी प्राप्त होती है।

Paper III तुलनात्क राजनीति –इस विशय में तुलनात्मक राजनीति का अर्थ प्रकुति क्षेत्र डेविड ईस्टन आमण्ड पावेल के विचार ,राजनीति व्यवस्था के संबंध मे ,राजनीति संस्कृति क्या है,समाजीकरण सम्भ्रान्त वर्ग राजनीति को कैसे प्रभावित करतें हैं। राजनीतिक दल,दबाव समूह राजनीति परिवर्तन राजनीति विकास आदि के संबंध में विद्वानों के विचारो से छात्राऍ अवगत होती है।

Paper IV अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिध्दान्त :– प्रस्तुत विशय छात्राओ हेतु लाभप्रद है क्योंकि अंतर्राश्ट्रीय जगत में जो घटनाये घटित होती है। वे किन तत्वो से प्रभावित होती है आदि बातों का अध्ययन किया जाता है। `षक्ति संकलन , सामुहिक सुरक्षा ,निःषस्त्रीकरण क्षेत्रीय संगठन आदि कौन से है और वे क्यो लाभप्रद हैं आदि बातो की जानकारी होती है। राश्ट्रीय षक्ति के आवष्यक तत्व क्या है। अंतर्राश्ट्रीय राजनीति किन सिध्दान्तो द्वारा संचारित होती है आदि का अध्ययन होता है।

MA II Semester

Paper I भारतीय राजनीति चिन्तन – इस प्रष्न पत्र के माध्यम से छात्राएं भारतीय राजनीतिक विचारको मनु, कौटिल्य , राजा राम मोहन राय दयानंद सरस्वती, गोपाल कृश्ण गोखले, लालालाजपत रय, महात्मा गांधी ,अम्बेडकर , नेहरू राममनोहर लोहिया आदि के राजनीतिक ,सामाजिक –विचार ,समाज सुधार पुनर्जागरण हेतु किये गयें प्रयासो का अध्ययन करती है।

Paper II भारत में राज्यो की राजनीति – राज्य राजनीति क्या है। दुर्बलताऍ विकास राश्ट्रीय राजनीति का राज्य राजनीति पर प्रभाव , लोकसेवा आयोग ,पंचायती राज व्यवस्था ,राज्यपाल की भूमिका छ.ग. राज्य के विषेंश संदर्भ मे। चुनाव आयोग, के कार्य पद व्यवस्था –विभिन्न राज्यो में मानव विकास सूचकांक आदि का अध्ययन छात्राओं द्वारा किया जाता है।

Paper III विकासशील देशों की राजनीति – इस प्रश्न पत्र के द्वारा उपनिवेशवाद प्रकार नव उपनिवेशवाद प्रकार, नव उपनिवेशवाद ,राजनीति संस्थाओं निर्वाचन व्यवस्था ,मतदान व्यवहार ,नेतृत्व नये सामाजिक आन्दोलन का एवं राजनीति संचार प्रणाली के संबंध में छात्राऍ ज्ञान अर्जित करती है।

Paper IV उत्तरशीत युध्द काल के समकालीन मुद्दे – इस प्रश्न पत्र के अध्ययन का महत्व यह है कि इसके माध्यम से यह जानकारी प्राप्त होती है कि अंतर्राष्ट्रीय जगत में चल रहे शीत युद्ध के अंत का कारण क्या है? उत्तर दक्षिण राष्ट्रों का संबंध वैश्वीकरण, उदारीकरण, निजीकरण पर्यावरण के प्रमुख मद्दे मानव अधिकार एव प्रमुख मुद्दे क्या है। आतंकवाद क्या है, विकास, कारण एवं उसका जनजीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। आतंकवाद को किस प्रकार रोका जाए चिंतन का विशय है।

MA III Semester

Paper I लोक प्रषासन– लोक प्रषासन विशय से अर्थ – प्रकृति, उद्भव विकास, कार्मिक समस्याऍ, भर्ती, पदोन्नति, प्रषिक्षण आदि के संबंध में जानकारी।

लोक प्रषासन की अध्ययन पद्धति क्या है? संगठन किन उद्देष्यों को लेकर स्थापित हुआ है। उनके प्रमुख सिद्धांत क्या है? प्रषासन में बजट का क्या महत्व है? बजट प्रक्रिया क्या है? लेखांकन, लेखा परीक्षा, भ्रश्टाचार, लोक निगम, नौकरषाही, प्रदत्त व्यवस्थापन, प्रषासन पर व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका किस प्रकार से नियंत्रण रखती है आदि बातों का अध्ययन किया जाता है।

Paper II भारतीय विदेष नीति– भारत की विदेष नीति के निर्माण के समय भारत की परिस्थितियॉ, निर्धारक तत्व, निरंतरता एवं परिवर्तन की विदेष नीति, विदेष नीति का विकास किस प्रकार से हुआ। पड़ोसी देषों के साथ असंलग्नता की नीति को अपनाने के पश्चात किस प्रकार का संबंध रहा, वैष्वीकरण, निःषस्त्रीकरण, सीमा पर आतंकवाद का उदय एवं प्रभाव का अध्ययन, पर्यावरणीय स्थिति का अध्ययन किया जाता है।

Paper III अंतराष्ट्रीय कानून– इस प्रष्न पत्र के माध्यम से छात्राएॅ अंतराश्ट्रीय कानून के संबंध मे ज्ञान प्राप्त करती है। अंतराश्ट्रीय कानून किसे कहते हैं? स्रोत क्या है? संहिताकरण क्या है? ऐतिहासिक विकास, ग्रोसियस का योगदान, राज्य उत्तराधिकार हस्तक्षेप, राज्य प्राप्त करना एवं खोना, राज्यों का उत्तरदायित्व, अंतर्राश्ट्रीय विवादों का षांतिपूर्ण एवं बाह्यकारी समाधान, आतंकवाद एवं अंतर्राश्ट्रीय कानून, अंतर्राश्ट्रीय कानून की सीमाएॅ व संभावनाओं की जानकारी प्राप्त होती है।

Paper IV अंतर्राष्ट्रीय संगठन– अंतर्राश्ट्रीय स्तर पर कई संगठन बने हैं जैसे राश्ट्रसंघ, संयुक्त राश्ट्रसंघ। इन संगठनों के निर्माण की आवष्यकता क्यों हुई? षांति स्थापना हेतु विष्व में इनके द्वारा क्या कार्य किये गये। क्या उन्होने षांति स्थापना में सहयोग दिया था। ये संगठन महाषक्तियों के षक्ति प्रदर्षन का मंच मात्र बनकर रह गये। सं.रा.सं. के विभिन्न अंगों के द्वारा क्या–क्या जनहित कार्य किया जाता है। आदि बातों अध्ययन का लाभ छात्राओं को प्राप्त होता है। भारत सुरक्षा परिशद का स्थायी सदस्य बनना चाहता है। महाषक्तियों के मध्य भारत की स्थिति की जानकारी होती है।

MA IV Semester

Paper I शोध प्रविधि– राजनीति विज्ञान का वैज्ञानिक अध्ययन करने हेतु यह प्रश्न पत्र छात्राओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बल्कि किसी भी सामाजिक विषय का क्षेत्रिय अध्ययन इसके माध्यम से होता है। प्राकल्पना क्या है? ये कैसे बनती है? स्त्रोत, निर्देषन क्या है? इसके विभिन्न तरीके पर्यवेक्षण प्रष्नावली, अनुसूची साक्षात्कार क्या है? सामाजिक अनुसंधान में ये क्षेत्रीय कार्य करने में

कैसे मदद करती है? आदि बातों का अध्ययन, सांख्यिकीय का प्रयोग, कम्प्यूटर, फूट नोट्स, प्रतिवेदन, लेखन, तथ्य, संकलन आदि बातों का अध्ययन करते हैं।

Paper II कुटनीति के सिद्धांत एवं व्यवहार– वर्तमान में विष्व के अन्य देषों के बीच काई राश्ट्र अपना स्थान सकल कुटनीति से ही बना सकता है। कुटनीति क्या है? व्यावहारिकता, सिद्धांत, निर्णय–निर्माण सिद्धांत, संचार सिद्धांत कुटनीतिक निर्माण के महत्वपूर्ण साधन है। ऐतिहासिक तौर पर कुटनीतिक का अध्ययन एवं वर्तमान प्रजातांत्रिक युग में किस प्रकार की कुटनीतिक राश्ट्रों के लिए अपनायी जाती है। राश्ट्रीय षक्ति की अभिवृद्धि के साधन के रूप में कुटनीति एक प्रभावी माध्यम है।

Paper III मानवाधिकार, समस्याएँ एवं संभावनाएँ– इस प्रष्न पत्र के माध्यम से, मानवाधिकार क्या है? आवष्यकता, महत्व, बच्चों महिलाओं शरणार्थियों के लिए मानवाधिकार आयोग किस प्रकार कार्य करता है एवं क्या प्रावधान है, आदि बातों की जानकारियॉ प्राप्त होती है। अंतर्राश्ट्रीय स्तर पर राश्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर मानवाधिकार आयोग किस प्रकार व्यक्ति के अधिकारों का संरक्षण करता है। आदि बातों की जानकारी प्राप्त होती है।

Paper IV अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की राजनीति– इस प्रष्न पत्र के माध्यम से यह जानते हैं कि विष्व के विभिन्न राष्ट्रों मे आर्थिक सहयोग एवं विकास हेतु विभिन्न वित्तीय संस्थाएँ संगठित हैं जैसे– विष्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, क्षेत्रीय विकास बैंक ये सब तृतीय विश्व के देशों के विकास हेतु किस प्रकार उनकी मदद करते हैं। अंतर्राश्ट्रीय जगत में नयी अंतर्राश्ट्रीय व्यवस्था क्या है। अंतर्राश्ट्रीय वित्त निगम के कार्य क्या है? अंतर्राश्ट्रीय व्यापार, संगठन एवं उत्तर–दक्षिण संबंध किस प्रकार से कार्य कर रहे हैं एव ंकैसे अंतर्राश्ट्रीय जगत में विभिन्न राश्ट्रों का सहयोग कर रहे हैं। बड़े राश्ट्र छोटे राश्ट्रों के सम्मुख क्या समस्याएँ उपस्थित करते हैं, आदि बातों का अध्ययन किया जाता है। विष्व की आर्थि वित्तीय विकास में इस प्रष्न पत्र का अध्ययन महत्वपूर्ण है।